हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (HCTA) से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

1 हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (HCTA) हरियाणा में सरकारी सहायता प्राप्त 97 महाविद्यालयों के शिक्षकों का संगठन है। जोकि 1966 ई. से शिक्षकों के हितों के लिए कार्य कर रहा है।

2 1979 ई तक Aided Colleges को सरकार की ओर से केवल 25% की सहायता मिलती थी जिसे HCTA ने अपने प्रयासों से 95% तक करवाया।

3 1987 से पहले Aided Colleges में Salary cheque के through आती थी। जोकि कई महीने विलम्ब से मिलती थी। HCTA ने अपने प्रयासों से Salary को Bank के through करवाया।

4 पहले Aided Colleges की salary का पैसा हरियाणा सरकार में बजट में नहीं होता था। HCTA ने अपने प्रयासों से पिछली सरकार के वित्त मंत्री माननीय कैप्टन अभिमन्यु द्वारा Aided Colleges के पैसे को बजट में डलवाया। वर्ष 2023-24 वित्त वर्ष का बजट 470 करोड़ का था जो इस वर्ष बढ़ा कर 530 करोड़ कर दिया है।

5 छठे वेतन आयोग से पहले इस संगठन का नाम हरियाणा कॉलेज टीचर्स यूनियन था। (वेतन में वृद्धि होने पर यूनियन शब्द की जगह एसोसिएशन शब्द लगाया गया क्योंकि कम वेतन पर ही यूनियन शब्द प्रयोग होता है)

6 दिसम्बर 2011 में HCTA ने हरियाणा सरकार द्वारा रजिस्ट्रेशन एक्ट (1860) के तहत अपने संगठन को रजिस्ट्रर करवाया व हरियाणा सरकार के 2012 के एक्ट के अनुसार भी इसका रजिस्ट्रेशन रिन्यू करवा दिया गया है।

7 संगठन के रूप में HCTA के कुल नौ जोन हैं जो इस प्रकार हैं भिवानी, रोहतक, सोनीपत, हिसार, कुरुक्षेत्र, कैथल, अम्बाला, यमुनानगर व फरीदाबाद। प्रत्येक जोन से तीन पदाधिकारी चुने जाते हैं। प्रधान, उपप्रधान (केवल महिलाओं के लिए) व सचिव। इस प्रकार नौ जोन में 27 पदाधिकारी होते हैं। केन्द्रीय पदाधिकारियों में प्रधान, दो उपप्रधान, महासचिव, वित्त सचिव व हरियाणा के प्रत्येक विश्वविद्यालय से एक सचिव। इस प्रकार HCTA के इन सभी पदाधिकारियों से मिलकर HCTA की कार्यकारी समिति (Executive Committee) का निर्माण होता है। इस तरह कार्यकारी समिति में डिग्री कॉलेज, बी. एड. कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज व माइनॉरिटी कॉलेज के शिक्षकों की भागीदारी होती है।

8 HCTA रजिस्ट्रर संस्था के रुप में प्रति वर्ष सरकार के निर्देशानुसार अपने बैंक खाते की ऑडिट रिपोर्ट चार्टर्ड अकाउंट (CA) से तैयार करवाती है।

9 अकाउंट का संचालन एक पदाधिकारी नहीं कर सकता बल्कि HCTA के तीन पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। प्रधान, महासचिव व वित सचिव।

10 HCTA की प्रति वर्ष की फीस मात्र पांच सौ रुपए (500/-) है। इसकी फीस में वृद्धि का अधिकार केवल जरनल हाऊस (सभी सदस्यों जो HCTA की convention में उपस्थित हों) को है। इसके पदाधिकारी या केन्द्रीय कार्यकारिणी फीस वृद्धि नहीं कर सकते। हां कॉलेज की HCTA यूनिट अपनी गतिविधियों के अनुसार स्ट्रगल फंड लेती है जो सम्बन्धित कॉलेज में ही खर्च होता है। इसके अतिरिक्त HCTA कभी कोई अन्य फीस की मांग नहीं करती।

11 यदि HCTA के किसी सदस्य की नौकरी के दौरान आकस्मिक मृत्यु हो जाती है तो HCTA की ओर से शिक्षक के परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता की जाती है।

12 HCTA के प्रयासों से Aided Colleges के staff को 1974 में Service Security Act के तहत लाया गया। जिससे किसी भी शिक्षक व गैर-शिक्षक की सेवा को कॉलेज मैनेजमेंट तत्काल समाप्त नहीं कर सकती। Service Security Act से पहले कॉलेज मैनेजमेंट किसी भी शिक्षक व गैर-शिक्षक को किसी भी समय कॉलेज से निकाले का अधिकार रखती थी।

13 HCTA के प्रयासों से 1998 में कॉलेज के शिक्षकों व गैर-शिक्षकों को पेंशन मिली। जो व्यक्ति 1998 के वाद रिटायर हुए उन्हें सरकारी कर्मचारियों की तरह 100% पेंशन मिल रही है। जबकि सैलरी 95% ही मिलती है और 5% मैनेजमेंट देती है। पिछली सरकार (2014-2019) द्वारा 1998 से पहले रिटायर शिक्षक व प्राचार्य को भी क्रमशः 25000/- 30000/- पेंशन आरम्भ की गई।

14 1998 में हरियाणा सरकार ने Aided Colleges में शिक्षकों व गैर-शिक्षकों की भर्ती पर रोक लगा दी थी। HCTA ने निरन्तर सरकार से भर्ती खोलने के लिए मांग की और 2006 में सफलता मिली। जिससे Aided Colleges में लगभग 1000 से ज्यादा शिक्षकों को नौकरी के अवसर प्राप्त हुए।

15 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों व गैर-शिक्षकों की New Pension System (NPS) को भी HCTA ने ही लागू करवाया था। जिसकी matching grant की 23 करोड़ की राशि 2016 में लेने में HCTA कामयाब रही। NPS में 10% हिस्सा कर्मचारी का होता है और 10% सरकार देती थी। 2021 से सरकार ने अपनी हिस्सेदारी 14% कर दी थी। HCTA के प्रयासों से 2023 में Aided Colleges के staff की भी हिस्सेदारी 14% हो गई व इसका arrear भी NPS account में आ चुका है।

16 2006 के बाद नियुक्त शिक्षक जो M.Phil या Ph.D थे परन्तु उनका NET नहीं था। उन शिक्षक साथियों को HCTA के प्रयासों से ही M.Phil and Ph.D के Increments का लाभ प्राप्त हुआ।

17 Aided Colleges में leave encashment का प्रावधान नहीं था। कुछ शिक्षक साथी इस मुद्दे को हाई कोर्ट में ले गए व Single bench में जीत गए। DGHE उस फैसले के विरूद्ध Double bench में जा सकती थी। HCTA द्वारा इस मुद्दे की निरन्तर पैरवी की गई और रिटायर्ड शिक्षकों को leave encashment का लाभ प्राप्त हुआ।

18 2016 में 7वां वेतन आयोग आया जिसमें HCTA ने लागु होने से पहले ही Aided Colleges को भी 7वें वेतन आयोग के लाभार्थियों में शामिल करने बारे वित्त विभाग से अनुरोध किया जिसे वित्त विभाग द्वारा स्वीकार कर लिया गया। पहले आयोगों में राजकीय महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों को लाभ मिलता था। Aided Colleges को बहुत बाद में धरने प्रर्दशन के पश्चात ही नए वेतनमान का लाभ मिलता था। परन्तु HCTA के सजग प्रयासों से ही 7वें वेतन आयोग को समय पर लागु करवाने में सफल रहे।

19 HCTA Salary के लिए निरन्तर प्रयासरत रहती है। Salary को सुविधाजनक बनाने के लिए 2022 में Aided Colleges की salary के लिए Child and Parent accounts खोले गए। February 2024 से salary bill online pass करने भी आरम्भ कर दिए हैं, ताकि कॉलेज के क्लर्क को हर माह salary bill DGHE ना ले जाने पड़े।

20 HCTA के प्रयासों से सितम्बर 2019 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में Associate Professor का interview करवाने में कामयाबी मिली। जो बाद में पुरे हरियाणा के विश्वविद्यालयों में लागु हुए।

21 HCTA ने महाविद्यालयों में शिक्षकों के हितों के लिए कॉलेज मैनेजमेंट या प्रिंसिपल से टकराव की स्थित का भी निपटारा करवाया है।

साथियो HCTA ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। संगठन के कार्य को बाहरी परिस्थितियां भी प्रभावित करती हैं। जैसे सरकार व संबंधित अधिकारी जिनसे कार्य करवाना है। कार्यों की सफलता अधिकारियों की मानसिकता व उनका सरकार में कितना प्रभाव पर भी निर्भर करता है। कई बार एक फाइल को निकलवाने के लिए भी बहुत समय लग जाता है।

संगठन को आन्तरिक चीजे भी प्रभावित करती हैं। संगठन सदस्यों की रुची व सहयोग के बल पर खड़ा होता। सदस्यों की सक्रिय रूप से भागीदारी संगठन को मजबूती प्रदान करती है। अतः संगठन को मजबूत बनाने का प्रयास करें ताकि अपनी अधुरी मांगो को पूर्ण करवाने के लिए संघर्ष कर सके। संगठन की मजबूती आपकी अपनी मजबूती है।

धन्यवाद

Deal.6

प्रोफेसर दयानंद मलिक
प्रधान
हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन